



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 11-मार्च 17, 2006 (फाल्गुन 20, 1927)

No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 11-MARCH 17, 2006 (PHALGUNA 20, 1927)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची		
भाग I--खण्ड-1--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ सं.	भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (iii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)
भाग I--खण्ड-2--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	197	भाग II--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश
भाग I--खण्ड-3--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	217	भाग III--खण्ड-1--उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
भाग I--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1	भाग III--खण्ड-2--पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस
भाग II--खण्ड-1--अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	309	भाग III--खण्ड-3--मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
भाग II--खण्ड-1क--अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III--खण्ड-4--विधिक अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं
भाग II--खण्ड-2--विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*	भाग IV--गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस
भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (i)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V--अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्ण
भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (ii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं।	*	

\*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

## CONTENTS

PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	Page No. 197	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) . . . . .	Page No. *
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	217	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence . . . . .	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence . . . . .	1	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India . . . . .	703
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence . . . . .	309	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs . . . . .	99
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations . . . . .	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners . . . . .	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi languages of Acts, Ordinances and Regulations . . . . .	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies . . . . .	321
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills . . . . .	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies . . . . .	105
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules including Orders, Bye-laws, etc. of general character issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) . . . . .	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi . . . . .	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) . . . . .	*		

## भाग I—खण्ड 1

## [PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]  
[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 2006

सं० 13-प्रेज/2006- राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस 2006 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं।

श्री वेंकटेश्वरन  
गृह रक्षक कार्यकर्ता  
अण्डमान एवं निकोबार

दिनांक 26.12.2004 को प्रतः 6 बजकर 20 मिनट पर द्वीप को तबाह करने वाला 9.2 की तीव्रता से सुनामी नामक एक भयंकर भूकम्प आया। विशालकारी घातक लहरें इतनी विनाशकारी थीं कि उसने हजारों को मौत के घाट उतार दिया और इस द्वीप के इतिहास में बिना पूर्व निर्धारित इतनी तबाही पहले कभी नहीं हुई।

श्री वेंकटेश्वरन, गृह रक्षक संख्या 491, जो उस दिन पुलिस स्टेशन में ड्यूटी पर तैनात थे, ने देखा कि एक बूढ़ी औरत उंची लहरों में बही जा रही थी। इन्होंने अपनी जान पर खेल कर उस औरत(श्रीमती पेचियम्मा, पत्नी श्री कन्नन, पता कटचल) को बचाया और उसे एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

इस प्रकार श्री वेंकटेश्वरन ने अपनी अपूर्व वीरता, अनुकरणीय साहस, कार्य दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा का एक उदाहरण प्रस्तुत किया।

यह पुरस्कार वीरता के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किया जात है और परिणामतः नियम 5 के तहत एकमुश्त अनुदान इसके साथ देय होगा।

बरुण मित्रा  
निदेशक

सं0 14 - प्रेज/2006 - राष्ट्रपति, दिल्ली अग्नि शमन सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों और कार्मिकों को वीरता के लिए राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं -

श्री सुरेन्द्र कुमार, उप मुख्य अग्नि शमन अधिकारी	(मरणोपरान्त)
श्री अजब सिंह भाटी, सहायक मंडल अधिकारी	(मरणोपरान्त)
श्री राम किशन, सब आफिसर	(मरणोपरान्त)
श्री विजयपाल सिंह कुंडु, फायरमैन	(मरणोपरान्त)
श्री दलबीर सिंह खत्री, फायरमैन	(मरणोपरान्त)
श्री राम प्रवेश रोहिल्ला, फायरमैन	(मरणोपरान्त)
श्री सुभाष चंदर, फायरमैन	(मरणोपरान्त)

31 दिसम्बर, 2004 की रात्रि को ए-117, डब्ल्यू.एच.एस., कीर्ति नगर, लक्कड़ मंडी, दिल्ली स्थित लकड़ी के एक गोदाम में भीषण आग लग गई। बेसमेंट, भूतल और उससे उपर की तीनों मंजिलों सहित पूरा गोदाम लकड़ी के फर्नीचर और अत्यन्त ज्वलनशील वार्निश सहित रसायनों से पूरी तरह भरा हुआ था। हवा कुछ तेज थी और आग की लपटें प्रत्येक मंजिल की खिडकियों से चारों ओर निकल रही थी। 0528 बजे आग लगने की सूचना प्राप्त होने पर, उप मुख्य अग्नि शमन अधिकारी, श्री सुरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में अग्निशमन दस्ता, अग्नि शमन गाड़ियों के साथ निकल पड़ा।

आस-पास के अन्य गोदामों में आग फैलने की सम्भावना को भांपते हुए, उप मुख्य अग्नि शमन अधिकारी, श्री सुरेन्द्र कुमार ने प्रभावित भवन के आस-पास के भवनों पर और साथ ही साथ उत्पन्न हुई गर्मी के वेग को कम करने के लिए आग लगने के स्थान पर पानी की बौछार करने का निर्णय लिया। उन्होंने 15-20 लोगों का एक कोर ग्रुप गठित किया और अन्दर जाने के लिए भवन के शटर को तोड़ दिया। गोदाम में प्रवेश करने पर और आग लगने के मूल स्थान पर कार्रवाई करते समय अन्दर की तरफ एक विस्फोट हुआ और सारा भवन ढह गया, जिसमें उप मुख्य अग्नि शमन अधिकारी, स्व0 श्री सुरेन्द्र कुमार सहित उपर उल्लिखित सभी अग्नि शमन कार्मिक फंस गए जिनकी बाद में, जलने के कारण घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई या उन्होंने जख्मों के कारण अस्पताल में दम तोड़ दिया।

इस घटना के दौरान सर्वश्री श्री सुरेन्द्र कुमार, उप मुख्य अग्नि शमन अधिकारी, श्री अजब सिंह भाटी, सहायक मंडल अधिकारी, श्री राम किशन, सब आफिसर, श्री विजयपाल सिंह कुंडु, फायरमैन, श्री दलबीर सिंह खत्री, फायरमैन, श्री राम प्रवेश रोहिल्ला, फायरमैन और श्री सुभाष चंदर, फायरमैन ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना नागरिकों की जान एवं माल की सुरक्षा के लिए उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, नेतृत्व, व्यवसायिक कुशलता और उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, वीरता के लिए राष्ट्रपति के अग्नि शमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किये जाते हैं और परिणामतः नियम 5 (क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता दिनांक 31.12.2004 से इनके साथ देय होगा।

बरुण मित्रा  
निदेशक

सं० 15 - प्रेज/2006 - राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

श्री रामकिशन,  
चालक, (मरणोपरांत)  
दिल्ली।

4 मार्च, 2005 की रात लगभग 17.34 बजे, मलाई मंदिर, सैक्टर-8, आर० के० पुरम, नई दिल्ली के निकट एल०पी०जी० चालित एक मारुति वैन में आग लगने की सूचना प्राप्त होने पर अग्नि शमन सेवा दल हरकत में आया और घटना स्थल पर पहुंच कर आग बुझाने का कार्य शुरू कर दिया। आग बुझाने के कार्य को अधिक सुलभ बनाने के लिए चालक स्व० श्री रामकिशन फायर टेंडर को जलती हुई वैन से लगभग 10-12 फुट दूरी पर ले गए। अचानक ही कार में लगे एल०पी०जी० सिलेंडर में विस्फोट हो गया जिससे चालक श्री रामकिशन को गंभीर रूप से जखमी हो गए और जख्मों के कारण बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया।

इस प्रकार चालक श्री रामकिशन ने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, व्यवसायिक कुशलता और उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, वीरता के लिए राष्ट्रपति के अग्नि शमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किया जाता है और परिणामतः नियम 5 (क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता दिनांक 04.03.2005 से इसके साथ देय होगा।

बरुण मित्रा  
निदेशक

सं0 16 - प्रेज/2006 - राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

**श्री जसबीर सिंह,  
फायरमैन,  
दिल्ली।**

**(मरणोपरांत)**

10 सितंबर, 2004 को लगभग 13.28 बजे आग लगने की सूचना प्राप्त होने पर अग्नि शमन सेवा दल, अत्यधिक भीड़-भाड़ वाले भीमनगर क्षेत्र, नांगलोई, दिल्ली में झुग्गी-झोंपड़ी में लगी आग को बुझाने के लिए घटना स्थल पर पहुंचा। आग सभी दिशाओं में बड़ी तेजी से फैल रही थी जिससे आसपास के क्षेत्र में जान-माल का खतरा हो रहा था। स्व० श्री जसबीर सिंह, फायरमैन अपनी जान की परवाह किए बगैर, जान-माल की रक्षा हेतु आग बुझाने के लिए खतरे वाले क्षेत्र में प्रवेश कर गए। इसी दौरान अचानक ही एक इलैक्ट्रिक ट्रांसमिशन लाईन टूट कर उनके ऊपर गिर गई और उन्हें बिजली का जबरदस्त झटका लगा। श्री जसबीर सिंह ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया।

इस प्रकार श्री जसबीर सिंह, फायरमैन ने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, व्यवसायिक कुशलता और उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, वीरता के लिए राष्ट्रपति के अग्नि शमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किया जाता है और परिणामतः नियम 5 (क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता दिनांक 10.09.2004 से इसके साथ देय होगा।

**बरुण मित्रा  
निदेशक**

सं0 17 - प्रेज/2006 - राष्ट्रपति, दिल्ली अग्नि शमन सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मिकों को वीरता के लिए अग्नि शमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

**श्री धर्मपाल भारद्वाज,  
सहायक मंडल अधिकारी**

**श्री दल सिंह,  
सहायक मंडल अधिकारी**

**श्री प्रेम सिंह दहिया,  
स्टेशन आफिसर**

**श्री नरेश कुमार,  
फायरमैन**

श्री कृष्ण कुमार,  
फायरमैन

श्री राजेश मुदगिल,  
फायरमैन

श्री सुरेन्द्र कुमार,  
फायरमैन

31 दिसम्बर, 2004 की रात्रि को ए-117, डब्ल्यू.एच.एस., कीर्ति नगर, लक्कड़ मंडी, दिल्ली स्थित लकड़ी के एक गोदाम में भीषण आग लग गई। बेसमेंट, भूतल और उससे उपर की तीनों मंजिलों सहित पूरा गोदाम लकड़ी के फर्नीचर और अत्यन्त ज्वलनशील वार्निश सहित खतरनाक रसायनों से पूरी तरह भरा हुआ था। हवा कुछ तेज थी और आग की लपटें प्रत्येक मंजिल की खिड़कियों से चारों ओर निकल रही थी। 0528 बजे आग लगने की सूचना प्राप्त होने पर, उप मुख्य अग्नि शमन अधिकारी, श्री सुरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में अग्निशमन दस्ता समुचित उपकरणों के साथ, निकल पड़ा।

जिस गोदाम में आग लगी थी वह गोदाम कीर्ति नगर, टिम्बर मार्केट में स्थित था जिससे सटे हुए कई टिम्बर गोदाम थे, जिनमें उसी प्रकार के अत्यन्त ज्वलनशील रसायन और लकड़ी इत्यादि भरी हुई थी। उप मुख्य अग्नि शमन अधिकारी ने आस-पास के भवनों पर आग को फैलने से रोकने के लिए और उत्पन्न हुई गर्मी के वेग को कम करने के लिए आग लगने के स्थान पर पानी की बौछार करना उचित समझा। उन्होंने 15-20 लोगों का एक कोर ग्रुप गठित किया और आग लगने के स्थान तक पहुंचने के लिए भवन के शटर को तोड़ दिया। गोदाम में प्रवेश करने पर और आग लगने के मूल स्थान पर कार्यवाई करते समय अन्दर की तरफ एक विस्फोट हुआ और सारा भवन ढह गया और जिसमें उपर उल्लिखित सभी अग्नि शमन कार्मिक फंस गए जिन्हें बाद में निकाल कर अस्पताल में दाखिल करवाया गया।

इस घटना के दौरान सर्वश्री धर्मपाल भारद्वाज, सहायक मंडल अधिकारी, श्री दल सिंह, सहायक मंडल अधिकारी, श्री प्रेम सिंह दहिया, स्टेशन आफिसर, श्री नरेश कुमार, फायरमैन, श्री कृष्ण कुमार, फायरमैन, श्री राजेश मुदगिल, फायरमैन और श्री सुरेन्द्र कुमार, फायरमैन ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना नागरिकों की जान एवं माल की सुरक्षा के लिए उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, नेतृत्व, व्यवसायिक कुशलता और उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, वीरता के लिए अग्नि शमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किये जाते हैं और परिणामतः नियम 5 (क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता दिनांक 31.12.2004 से इनके साथ देय होगा।

बरुण मित्रा  
निदेशक

सं0 18 - प्रेज/2006 - राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्नि शमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

**श्री रबिन्द्र कुमार स्वाई ,  
स्टेशन ऑफिसर,  
उड़ीसा ।**

17.12.2004 को लगभग 00.05 बजे खुर्दा नगरपालिका के तहत् आने वाले कोचिलकाना साही, गुरुजंगा में स्थित एक घर में आग लगने की सूचना प्राप्त होने पर स्टेशन आफिसर श्री रबिन्द्र कुमार स्वाई के नेतृत्व में खुर्दा अग्निशमन केन्द्र का अग्नि शमन सेवा दल घटना स्थल पर पहुंचा, जहां एक व्यक्ति जलते हुए भवन में फंसा हुआ था। श्री स्वाई, अपनी जान की परवाह न करते हुए, अग्नि बचाव सूट पहने बिना तत्काल ही भवन में प्रवेश कर गए तथा गंभीर रूप से जलने के बावजूद, फंसे हुए व्यक्ति को सही सलामत बाहर ले आए।

इस प्रकार श्री रबिन्द्र कुमार स्वाई ने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, नेतृत्व, व्यवसायिक कुशलता और उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का प्रदर्शन किया।

यह पुरस्कार, वीरता के लिए अग्नि शमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किया जाता है और परिणामतः नियम 5 (क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता दिनांक 17.12.2004 से इसके साथ देय होगा।

बरुण मित्रा  
निदेशक

सं0. 19-प्रेज/2006- राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए अग्नि शमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

**श्री कैलाश चन्द्र प्रधान,  
लीडिंग फायरमैन,  
उड़ीसा।**

13.04.2005 को 20.30 बजे, गांव काजलकाना से बचाव के लिए बुलाने पर कटक अग्नि शमन स्टेशन से अग्नि शमन कार्मिक घटनास्थल पर पहुंचे जहां दो व्यक्ति एक 45 फीट गहरे, गैस से भरे हुए कुंए जिसका इस्तेमाल नहीं किया जा रहा था, में गिर गए थे। लीडिंग फायरमैन, श्री कैलाश चन्द्र प्रधान ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए टेबल फैन का प्रयोग करते हुए काम चलाऊ उपायों द्वारा जहरीली गैस को उड़ाने की कोशिश की और उसके बाद अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए दो व्यक्तियों का जीवन बचाने के लिए कुंए में छंलाग लगा दी और दोनों पीड़ितों को सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया जबकि वह स्वयं हानिकारक गैसों में श्वास लेने से अस्वस्थ हो गए।



इस प्रकार से लीडिंग फायरमैन श्री कैलाश चन्द्र प्रधान ने उत्कृष्ट वीरता, अनुकरणीय साहस, नेतृत्व, व्यावसायिक कुशलता और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्नि शमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किया जाता है और परिणामतः नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता दिनांक 13.4.2005 से इसके साथ देय है।

बरुण मित्रा

निदेशक

सं0. 20-प्रेज/2006- राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए अग्नि शमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

श्री बिक्रम कुमार बेहेरा,  
फायरमैन 1572,  
उड़ीसा।

12.04.05 को लगभग 15.40 बजे, नुआपटना, चांदी साही, टिगीरिया से बचाव के लिए बुलाने पर तिगड़िया अग्नि शमन केंद्र का अग्नि शमन दल तत्काल वहां पहुंचा और घटनास्थल पर पहुंचकर उन्होंने देखा कि एक व्यक्ति एक गहरे कुएं में गिर गया है। श्री बिक्रम कुमार बेहेरा, फायरमैन 1572 अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए पीड़ित को बचाने के लिए तेज गर्मी में तत्काल न्यूनतम ऑक्सीजन आपूर्ति वाले 20 फुट गहरे कुएं के भीतर गए। कुएं में ऑक्सीजन की कमी के कारण, श्री बेहेरा को श्वास की समस्या आरंभ हो गई और उनका दम घुटने लगा था। इसके बावजूद श्री बेहेरा ने फंसे हुए व्यक्ति को अपने कंधे पर उठाया और बेहोश होने से पहले उसे कुएं से सुरक्षित बाहर निकाला और फिर उन्हें अस्पताल में भर्ती करा दिया गया।

इस प्रकार से श्री बिक्रम कुमार बेहेरा, फायरमैन ने उत्कृष्ट वीरता, अनुकरणीय साहस, व्यावसायिक कुशलता और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्नि शमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किया जाता है और परिणामतः नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता दिनांक 12.4.2005 से इसके साथ देय है।

बरुण मित्रा

निदेशक

सं0. 21-प्रेज/2006- राष्ट्रपति, तमिलनाडु अग्नि शमन सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों और कार्मिकों को उनकी वीरता के लिए अग्नि शमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

श्री थनगय्या डेविड विन्सेन्ट देवदास,  
मंडल अधिकारी

श्री सुब्रामणियम वेंकटाचलम,  
फायरमैन 6789

श्री वेंकटाचलम पालागारा रामासामी,  
फायरमैन 6124

18.02.05 को लगभग 07.00 बजे डी. सं.3 ए वेंकट्टपा चेट्टी स्ट्रीट, शेवापेट, सलेम में एक बर्फ की फैक्ट्री में अमोनिया गैस रिसने के बारे में सूचना मिली। श्री थनगय्या डेविड विन्सेन्ट देवदास, मंडल अधिकारी अपने दल सहित तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। श्री थनगय्या डेविड विन्सेन्ट देवदास, मंडल अधिकारी, श्री सुब्रामणियम वेंकटाचलम, फायरमैन 6789 और श्री वेंकटाचलम पालागारा रामासामी फायरमैन 6124 ने किसी सुरक्षा उपकरण के बिना अमोनिया गैस गाद वाली बर्फ की फैक्ट्री के परिसर में प्रवेश किया और अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना जोखिमपूर्ण ढंग से, गैस को सघनता को कम करने के लिए केवल पानी का छिड़काव करके फंसे हुए पांच व्यक्तियों को बचा लिया। उन्होंने, इसके साथ-साथ दुर्घटना स्थल के ठीक पीछे स्थित सरकारी अस्पताल से उन 30 रोगियों को भी स्थानांतरित करने की व्यवस्था की जो अमोनिया गैस के अन्तः श्वसन के कारण मिचली और जलन से प्रभावित हो गए थे।

इस घटना के दौरान सर्वश्री थनगय्या डेविड विन्सेन्ट देवदास, मंडल अधिकारी, सुब्रामणियम वेंकटाचलम, फायरमैन और वेंकटाचलम पालागारा रामासामी फायरमैन, ने उत्कृष्ट वीरता, अनुकरणीय साहस, व्यावसायिक कुशलता और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार वीरता के लिए अग्नि शमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3(i) के तहत प्रदान किये जाते हैं और परिणामतः नियम 5(क) के तहत अनुमेय विशेष भत्ता दिनांक 18.2.2005 से इनके साथ देय है।

बरुण मित्रा  
निदेशक

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 2006

शुद्धि पत्र

सं. 20012/2/2005-हिन्दी

गृह मंत्रालय के दिनांक 31 अक्टूबर, 2005 के समसंख्यक संकल्प के "सरकारी सदस्य " शीर्षक के अंतर्गत क्रम सं. 24 में अपर सचिव (सी एस) के स्थान पर अपर सचिव (बी एम) प्रतिस्थापित किया जाए।

यशवन्त राज  
संयुक्त सचिव

वस्त्र मंत्रालय  
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय  
नई दिल्ली-110066, दिनांक 17 फरवरी 2006

संकल्प

**क्राइस सं० के -16/4/98-पीएण्डआर -** दिनांक 10.12.2004 के समसंख्यक संकल्प के तहत अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड दो वर्ष की अवधि के लिए पुनर्गठित किया गया था। भारत सरकार ने पुनर्गठित अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड में श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह, एस-20/51 बी-2, कैन्ट माल रोड, बुद्ध विहार कॉलोनी, वाराणसी (उ०प्र०) को नये गैर-सरकारी सदस्य के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया गया है जबकि दिनांक 10.12.2004, 10.2.2005, 16.3.2005, 1.4.2005 और 25.1.2006 के संकल्प के अन्तर्गत गठित अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड के मौजूदा सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी सदस्य वही रहेंगे।

पुनर्गठित अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड में अब अध्यक्ष, 24 सरकारी सदस्य, सदस्य सचिव और 45 गैर-सरकारी सदस्य मिलाकर बोर्ड की कुल क्षमता 70 सदस्यों की होगी।

तथापि, दिनांक 10.12.2004 के संकल्प में दर्ज अन्य सभी शर्तें वही रहेंगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी संबंधितों को प्रेषित की जाए तथा इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

डा. संदीप श्रीवास्तव  
अपर विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय  
(विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग)  
नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 2006

सं. VII- पीआरडीएसएफ/01/05-06/टीटी

संकल्प

भारत सरकार ने पूर्व में सृजित 150 करोड़ रुपये की भेषज अनुसंधान तथा विकास सहायता निधि (पीआरडीएसएफ) कार्पस को 24.01.2006 से विघटित करने का निर्णय लिया है। इसके बदले में औषधि एवं भेषज क्षेत्र में अनुसंधान तथा विकास के लिए वार्षिक रूप से आवश्यकता आधारित बजटीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। औषधि विकास संवर्धन बोर्ड (डीडीपीबी) और इस कार्यक्रम की विशेषज्ञ समिति के उद्देश्यों, कार्यान्वयन तंत्र और संरचना में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

संजीव नायर  
संयुक्त सचिव

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 2006

संकल्प

सं.टी.12013/32/05-सीएचटीओ (स्था.IV)

केन्द्रीय स्वास्थ्य परिवहन संगठन, भारत सरकार की स्वास्थ्य परिवहन कार्यशाला के कर्मचारियों और संगठन का बेहतर उपयोग करने की दृष्टि से भारत सरकार ने श्री आर.सी.सिन्हा, कार्यकारी अधिकारी, राज्य सड़क परिवहन उपक्रम, नई दिल्ली की अध्यक्षता में दिनांक 19.7.1978 की संकल्प सं.टी. 11011/8/78-टी.पी.टी. के तहत इस मामले की जांच और उस पर सिफारिशें देने के लिए एक समिति गठित की थी। इस समिति ने दिनांक 8.2.1978 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है।

भारत सरकार ने इस समिति की सिफारिशें स्वीकार कर लीं थी और यह पहले ही निर्णय किया जा चुका था कि केन्द्रीय स्वास्थ्य परिवहन संगठन को 30 अप्रैल, 1982 के अपराह्न से दिनांक 31.5.1982 के संकल्प सं. ए. 11011/11/81-स्था.IV के तहत चरणवार ढंग से बंद कर दिया जाएगा।

अब केन्द्रीय स्वास्थ्य परिवहन संगठन को 31.3.2006 (अपराह्न) से अन्तिम रूप से बंद करने का निर्णय लिया गया है।

आदेश

भारत सरकार के मंत्रालयों विभागों को

1. आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

डी. आर. शर्मा  
उप सचिव

पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

(सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 2006

संकल्प

सं.ई.-11013/3/2004- हिन्दी..... सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग की हिन्दी सलाहकार समिति के पुनर्गठन के संबंध में इस विभाग के समसंख्यक संकल्प दिनांक 27 जून, 2005 में निम्नलिखित संशोधन किए जाएं जो इस प्रकार हैं -

1. क्रम सं. 5 की मौजूदा प्रविष्टि को हटाया जाए और निम्न को प्रतिस्थापित किया जाए :-  
संयुक्त सचिव (परिवहन, प्रशासन और राजभाषा) सदस्य-सचिव
2. क्रम संख्या 9 और संबंधित प्रविष्टि को हटाया जाए।
3. क्रम संख्या 10 से 24 को 9 से 23 पढ़ा जाए।

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों/संघ शासित प्रशासनों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, केबिनेट सचिवालय, लोकसभा/राज्यसभा सचिवालय, योजना आयोग, संसदीय राजभाषा समिति, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग और भारत के निर्वाचन आयोग को भेज दी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि जनसाधारण की सूचना के लिए इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

प्रभाकर  
उप सचिव

शहरी विकास मंत्रालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 फरवरी 2006

संकल्प

शहरी विकास मंत्रालय तथा शहरी रोजगार और गरीबी उपशमन मंत्रालय के लिए संयुक्त हिन्दी सलाहकार समिति के गठन संबंधी दिनांक 19 मई, 2005 के इस मंत्रालय के सम संख्यक संकल्प में आंगिक संशोधन करते हुए भारत सरकार ने शहरी विकास राज्य मंत्री को समिति का उपाध्यक्ष मनोनीत करने का निर्णय लिया है । अतः क्रम सं० 2 के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि शामिल की गयी है :-

2.क. शहरी विकास राज्य मंत्री

उपाध्यक्ष

अन्य शर्तें वही रहेंगी ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति सभी राज्य सरकारों/ संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

एम. राजामणि  
संयुक्त सचिव

**PRESIDENT'S SECRETARIAT**

New Delhi, the 26th January 2006

No. 13-Pres/2006 – The President is pleased on the occasion of Republic Day, 2006 to award the President's Home Guard and Civil Defence Medal for Gallantry to the under-mentioned officer:-

**SHRI VENKATESWARAN  
HOME GUARD VOLUNTEER  
ANDAMAN & NICOBAR**

A massive earthquake of 9.2 on Richter scale followed by disastrous Tsunami struck the Islands at 0620 hours on 26.12.2004. The magnitude of killer waves were so lethal that left a trail of thousands dead and the destruction was unprecedented in the history of these Islands.

Shri Venkateswaran HG/491 who was on his way to Police Station for duty, saw that an old lady (Pechiamma w/o Kannan R/o Katchal) was stuck in the high tidal waves and he rescued her from the waves risking his own life and brought her to safer place.

Shri Venkateswaran thus displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise and devotion to duty of a very high order.

This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the rules governing the award of President's Home Guards and Civil Defence Medal for Gallantry and consequently carries with it a lumpsum monetary grant admissible under Rule 5.

**BARUNMITRA**  
Director

No. 14-Pres/2006 – The President is pleased to award the President's Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned Officers and Personnel of Delhi Fire Service :-

**SHRI SURINDER KUMAR,  
DEPUTY CHIEF FIRE OFFICER**

**(POSTHUMOUS)**

SHRI AJAB SINGH BHATI, (POSTHUMOUS)  
ASSISTANT DIVISIONAL OFFICER

SHRI RAM KISHAN, (POSTHUMOUS)  
SUB OFFICER

SHRI VIJAYPAL SINGH KUNDU, (POSTHUMOUS)  
FIREMAN

SHRI DALBIR SINGH KHATRI, (POSTHUMOUS)  
FIREMAN

SHRI RAM PRAVESH ROHILLA, (POSTHUMOUS)  
FIREMAN

SHRI SUBHASH CHANDER, (POSTHUMOUS)  
FIREMAN

A devastating fire broke out on 31<sup>st</sup> December, 2004 night in a wood godown located at A -117, W.H.S., Kirti Nagar, Lakkar Mandi, Delhi. Entire godwon comprising of basement, ground and upper three floors were fully stocked with wooden furniture and huge stocks of chemicals including highly inflammable varnishes. The wind was moderately high and flames were leaping out from each floor in all directions through the window openings. On receipt of the fire call at 0528 hrs, Fire Service turned out with fire tenders under the command of Deputy Chief Fire Officer, Shri Surinder Kumar.

Apprehending the possibility of fire spreading in the other adjoining godowns, Shri Surinder Kumar, Deputy Chief Fire Officer decided to stop spreading of fire by spraying water to the surrounding of the affected building and simultaneously to attack the seat of fire for minimizing the intensity of heat generated. He formed a core group of 15-20 persons and broke open the shutter door of the building to gain access. On entering the godown, and while attacking the core area of fire, suddenly implosion took place resulting caving in of all super structure, trapping all the fire service personnel as mentioned above including Deputy Chief Fire Officer Late Shri Surinder Kumar who were subsequently charred to death on the spot or succumbed to the injuries in hospital.

In this incident S/Shri Surinder Kumar, Deputy Chief Fire Officer, Ajab Singh Bhati, Assistant Divisional Officer, Ram Kishan, Sub-officer, Vijaypal Singh Kundu, Fireman, Dalbir Singh Khatri, Fireman, Ram Pravesh Rohilla, Fireman and Subhash

Chander, Fireman, displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, leadership, professional expertise and devotion to duty of the highest order for the safety of life and properties of the citizens ignoring their own safety.

These awards are made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of President's Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5(a) w.e.f. 31.12.2004.

BARUNMITRA  
Director

No.15-Pres/2006 – The President is pleased to award the President's Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned Officer :-

SHRI RAMKISHAN, (POSTHUMOUS)  
DRIVER,  
DELHI.

On fateful night of 4<sup>th</sup> March, 2005 at about 17.34 hrs, on receipt of a call about a fire in a LPG operated Maruti Van near Malai Mandir, Sector -8, R.K. Puram, New Delhi, Fire Service turned out and on reaching the spot started fire fighting operation. For the sake of convenience of fire fighting, Driver late Shri Ramkishan moved the fire tender within 10-12ft. away from the burning van. Suddenly the LPG cylinder contained in the car violently exploded causing severe injuries to Shri Ramkishan, Driver who later on succumbed to his injuries in the hospital.

Shri Ramkishan, Driver, thus, displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise and devotion to duty of the highest order.

This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of President's Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5(a) w.e.f. 04.03.2005.

BARUNMITRA  
Director

No. 16-Pres /2006 –The President is pleased to award the President's Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned Officer:-

SHRI JASBIR SINGH. (POSTHUMOUS)  
FIREMAN,  
DELHI.



On fateful day of 10<sup>th</sup> September, 2004 at about 13.28 hrs on receipt of a fire call, Fire Service turned out to encounter a Jhuggi Jhopdi fire in the congested Bhim Nagar area, Nangloi, Delhi. The fire was spreading very fast in all directions endangering the nearby population and property. Late Shri Jasbir Singh, Fireman ignoring his personal safety entered into the endangered zone for fighting the fire to save life and property. While doing so, suddenly the overhead electrical transmission line collapsed and fell on him causing electrocution. Shri Jasbir Singh subsequently succumbed to injury in the hospital.

Shri Jasbir Singh, Fireman, thus, displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise and devotion to duty of the highest order.

This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of President's Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5(a) w.e.f. 10.09.2004.

BARUN MITRA  
Director

No.17-Pres/2006 – The President is pleased to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned Officers and Personnel of Delhi Fire Service :-

SHRI DHARAMPAL BHARDWAJ,  
ASSISTANT DIVISIONAL OFFICER

SHRI DAL SINGH  
ASSISTANT DIVISIONAL OFFICER

SHRI PREM SINGH DAHIYA,  
STATION OFFICER.

SHRI NARESH KUMAR,  
FIREMAN

SHRI KRISHAN KUMAR,  
FIREMAN

SHRI RAJESH MUDGIL,  
FIREMAN

SHRI SURENDER KUMAR,  
FIREMAN

A devastating fire broke out on 31<sup>st</sup> December, 2004 night in a wood godown located at A -117, W.H.S., Kirti Nagar, Lakkar Mandi, Delhi. Entire godwon comprising of basement ground and upper three floors were fully stocked with wooden furniture and hazardous chemicals including highly inflammable varnishes. The wind was moderately high and flames were leaping out through windows of each floor in all directions. On receipt of the fire call at 0528 hrs, Fire Service turned out with appropriate appliances under the command of Deputy Chief Fire Officer Shri Surinder Kumar.

The godown where the fire broke out was located in Kirti Nagar, Timber Market which had several other adjoining timber godowns containing similar highly flammable chemicals, wood, etc. The Deputy Chief Fire Officer thought it proper to tackle the spread of fire simultaneously by spraying water to surrounding buildings, at the same time to attacking the seat of fire to minimize the intensity of heat generated. He formed a core group of 15-20 people and broke open the shutter of the building to gain access to the seat of fire. On entering the godown and while attacking the core area of fire, suddenly implosion took place causing complete collapse of and the whole super structure trapping all the fire service personnel as mentioned above who were subsequently rescued and hospitalized.

In this incident S/Shri Dharampal Bhardwaj, Assistant Divisional Officer, Dal Singh, Assistant Divisional Officer, Prem Singh Dahiya, Station Officer, Naresh Kumar, Fireman, Krishan Kumar, Fireman, Rajesh Mudgil, Fireman and Surender Kumarm, Fireman displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, leadership, professional expertise and devotion to duty of the highest order for the safety of life and properties of the citizens ignoring their own safety.

These awards are made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5(a) w.e.f. 31.12.2004.

BARUN MITRA  
Director

No.18-Pres/2006 – The President is pleased to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned Officer :-

SHRI RABINDRA KUMAR SWAIN,  
STATION OFFICER,  
ORISSA.

On 17.12. 2004 at about 00.05 hrs, on receipt of a fire call from a house at Kochilakana Sahi, Gurujanga under Khurda Municipality, Fire Service crew of Khurda Fire Station under the leadership of Station Officer Shri Rabindra Kumar Swain rushed to the spot where a person was trapped in the burning building. Shri Swain ignoring his personal safety immediately entered the burning building without the help of fire protection suits and brought the trapped victim out to safety after sustaining severe burn injuries on his person.

Shri Rabindra Kumar Swain, Station Officer, thus, displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, leadership, professional expertise and devotion to duty of a very high order.

This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5(a) w.e.f 17.12.2004.

BARUNMITRA  
Director

No. 19-Pres/2006 – The President is pleased to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned Officer :-

SHRI KAILASH CHANDRA PRADHAN,  
LEADING FIREMAN,  
ORISSA.

On 13.04.2005 at 20.30 hrs, on receipt of a rescue call, Fire Service from Cuttack Fire Station reached at village Kajalakana where two persons had fallen inside a 45ft. deep gas filled unused well. Leading Fireman, Shri Kailash Chandra Pradhan considering the gravity of situation attempted to blow away the poisonous gas by an improvised means using Table Fan and then jumped into the well to save the life of two person, ignoring his personal safety and successfully extricated both the victims while he himself became indisposed by inhaling obnoxious gases.

Shri Kailash Chandra Pradhan, Leading Fireman, thus displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise and devotion to duty of a very high order.

This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5(a) w.e.f. 13.04.2005.

BARUNMITRA  
Director

No. 20-Pres/2006 – The President is pleased to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned Officer :-

SHRI BIKRAM KUMAR BEHERA,  
FIREMAN 1572,  
ORISSA.

On 12.04.05 at about 15.40 hrs, on receipt of a rescue call from Nuapatna, Chandi Sahi, Tigiria. Fire crew of Tigiria Fire Station immediately turned out and on reaching the spot, found one person had fallen in a deep well. Shri Bikram Kumar Behera, Fireman – 1572 ignoring his personal safety, immediately entered the 20 ft. deep well with minimum oxygen supply, under scorching heat to rescue the victim. Due to poor supply of oxygen inside the well, Shri Behera started facing respiratory problem and was about to be choked. In spite of that Shri Behera lifted that trapped person on his shoulder and brought him out of the well safely before he was fainted and hospitalized.

Shri Bikram Kumar Behera, Fireman, thus, displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise and devotion to duty of a very high order.

This award is made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5(a) w.e.f. 12.04.2005.

BARUN MITRA  
Director

No. 21-Pres/2006 – The President is pleased to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned Officers and Personnel of Tamil Nadu Fire Service: -

SHRI THANGAIAH DAVID VINCENT DEVADASS,  
DIVISIONAL OFFICER

SHRI SUBRAMANIAM VENKATACHALAM,  
FIREMAN 6789

SHRI VENKATACHALAM PALAGARA RAMASAMY,  
FIREMAN 6124

On 18.02.05 at about 07.00 hrs., a call was received about of Ammonia Gas leakage in an ice factory at D.No. 3A Venkatappa Chetty Street, Shevvapet, Salem. Immediately Sh. Thangaiyah David Vincent Devadass, Divisional Officer alongwith

the team rushed to the spot. Sh Thangaiah David Vincent Devadass, Divisional Officer, Sh. Subramaniyam Venkatachalam, Fireman 6789 and Sh. Venkatachalam Palagara Ramasamy, Fireman 6124 without any protective appliances, entered the premises of the Ammonia Gas silted ice factory and rescued five trapped persons simply by spraying water to minimize the density of gas in a very risky way endangering their own personal safety. They also simultaneously arranged for shifting of 30 patients from the government hospital located right behind the site of accident who were severely suffering from nausea and irritation due to inhalation of ammonia gas.

In this incident S/Shri Thangaiah David Vincent Devadass, Divisional Officer, Subramaniyam Venkatachalam, Fireman and Venkatachalam Palagara Ramasamy, Fireman, displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, leadership, professional expertise and devotion to duty of a very high order.

These awards are made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under Rule 5(a) w.e.f 18.02.2005.

BARUN MITRA  
Director

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 24th February 2006

CORRIGENDUM

**NO 20012/2/2005-Hindi**

In the Ministry of Home Affairs Resolution of even Number dated 31st October, 2005 under the heading "Official Members " Serial No 24 " Addl. Secretary (CS) be substituted by " Addl. Secretary (BM).

YASHWANTRAJ  
Jt. Secy.

**MINISTRY OF TEXTILES**  
**OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)**

New Delhi-110066, the 14th February 2006

**RESOLUTION**

No.K-16/4/98-P&R-The all India Handicrafts Board was reconstituted vide resolution of even No. dated 10.12.2004 for a tenure of two years. The Govt of India has also decided to induct Shri Rajendra Prasad Singh, S-20/51B-2, Cant Mall Road, Budhu Vihar colony, Varanasi (U.P.) as new non official member in the All India Handicraft Board while retaining all officials and non Official members of the existing All India handicraft Board constituted vide resolutions dated 10.12.2004, 10.2.2005, 16.3.2005, 1.4.2005 and 25.1.2006.

The present strength of the board shall be 70 members comprising of Chairman, 24 official members, Member Secretary and 45 Non-Official members, in the re-constituted All India Handicrafts Board.

All other terms & conditions recorded in the resolution dated 10.12.2004 will however remain same & uncharged.

**ORDER**

Ordered that a copy of this resolution be communicated to all concerned and that it be published on the Gazette of India.

Dr. SANDEEP SRIVASTAVA  
Additional Development Commissioner (Handicrafts)

**MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY**  
**(DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY)**

New Delhi, the 21st February 2006

No. VII-PRDSF/01/05-06/TT

Government of India have decided to dissolve the earlier created Pharmaceuticals Research and Development Support Fund (PRDSF) corpus of Rs. 150.0 crores w.e.f. 24.01.2006. Instead, need-based budgetary support would be provided annually for R&D in drugs and pharma sector. There is no change in the objectives, implementation mechanism, composition of Drug Development Promotion Board (DDPB) and the Expert Committee of the programme.

SANJIV NAIR  
Jt. Secy.

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 20th February 2006

RESOLUTION

With a view to optimally utilising the staff and Organisation of the Health Transport Workshop of the Central Health Transport Organisation, Government of India had set up a Committee under the Chairmanship of Shri R.C.Sinha, Executive Officer, Association of States Road Transport Undertaking, New Delhi, to examine the matter and make recommendations thereon, vide Resolution No.T.11011/8/78-TPT dated 19/7/1978. The Committee submitted its report on 8/2/1979.

The recommendation of the Committee had been accepted by the Government of India, and it had already been decided that the Central Health Transport Organization shall be wound up with effect from the afternoon of 30<sup>th</sup> April, 1982 vide Resolution No.A.11011/11/81-Estt.IV dated 31/5/1982, in a phased manner.

It has now been decided to wound up finally Central Health Transport Organisation with effect from 31/3/2006(Afternoon)

ORDER

Ordered that a copy of the resolution be communicated to:

1. Ministries/Departments of the Govt. of India

Ordered that the resolution be published in the Gazette of India

D. R. SHARMA  
Dy. Secy.

MINISTRY OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS  
(DEPARTMENT OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS)

New Delhi, the 15th February 2006

RESOLUTION

No. E 11013/3/2004-Hindi:- In this Department's resolution of even number dated 27<sup>th</sup> June, 2005 regarding reconstitution of the Hindi Salahakar Samiti of the Department of Road Transport and Highways, the following amendments shall be made, namely:-

1. In S.No. 5 existing entry shall be deleted and substituted by the following:  
'Joint Secretary (Tpt., Admn. and Rajbhasha)—Member-Secretary'
2. S.No. 9 and the corresponding entry shall be deleted.
3. S. No. 10 to 24 may be read as 9 to 23.

**ORDER**

It is ordered that a copy of this Resolution may be forwarded to all the State Governments and Union Territories Administrations, All Ministries and Departments of the Government of India, President Sectt., Prime Minister's Office, Cabinet Sectt., Lok Sabha/Rajya Sabha Sectt., Planning Commission, Parliamentary Committee on Official Language, Comptroller and Auditor General of India, Union Public Service Commission and Election Commission of India.

It is also ordered that this may be published in the Gazette of India for information of general public

PRABHAKAR  
Dy. Secy.

**MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT**

New Delhi-110011, the 10th February 2006

**Resolution**

In partial modification of this Ministry's Resolution of even No. dated 19<sup>th</sup> May, 2005 regarding constitution of Joint Hindi Salahakar Samiti for Ministries of Urban Development and Urban Employment & Poverty Alleviation, the Government of India have decided to nominate Minister of State in the Ministry of Urban Development as Vice Chairman of the Committee. Hence the following entry has been inserted after Serial No. 2:

“2A. Minister of State for Urban Development Vice Chairman”  
The other terms and conditions will remain same.

**Order**

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all the State Governments/Union Territory Administrations, President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Sectt., Planning Commission, Comptroller & Auditor General of India, Lok Sabha Sectt., Rajya Sabha Sectt., all the Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

M. RAJAMANI  
Jt. Secy.